मुझे राम के बिना नहीं जीना

बजरंग राम जी को,
संदेश यही कहना,
मुझे राम के बिना नहीं जीना,
मुझे राम के बिना नही जीना।।

अपनी करनी की करनी से,
पर घर में आकर के बैठी,
पिया वचन मोह बस भूली,
छलकर लाया रावण कपटी,
लक्ष्मण रेखा कभी ना लाँघो,
अपने हाथ जहर नहीं पीना,
राम के बिना नही जीना,
बजरंग राम जी को,
संदेश यही कहना,
मुझे राम के बिना नही जीना,
मुझे राम के बिना नही जीना।।

छल बल से नारी हरे तो,
खुद ही खुद का नाशी,
मेरी पीड़ वो ही हरेंगे,
वो है घट घट वासी,
माँ अहिल्या की पीड़ हरी ना,
मुझे राम के बिना नही जीना,
बजरंग राम जी को,
संदेश यही कहना,
मुझे राम के बिना नही जीना,
मुझे राम के बिना नही जीना।।

जाओ हनुमत देर करो ना,
पल बीते युग के जैसे,
छली प्रपंची दानव आकर,
चन्द्रहास को खेंचे,
‘रामानंदी’ सियाराम चरण में,
राम रसायन पीना,
मुझे राम के बिना नही जीना,
बजरंग राम जी को,
संदेश यही कहना,
मुझे राम के बिना नही जीना,
मुझे राम के बिना नही जीना.........

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24591/title/mujhe-ram-ke-bina-jeena-nahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |